12.25 hrs.

ESTATE DUTY (AMENDMENT) BILL*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI S. M. KRISHNA): Sir, on behalf of Shri Pranab Kumar Mukherjee I beg for leave to introduce a Bill further to amend the Estate Duty Act, 1953.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Estate Duty Act, 1953."

The motion was adopted.

SHRI S. M. KRISHNA: Sir, I introduce** the Bill.

12.26 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(*i*) *Need to Constitute a Committee of arctitectural expents to save Taj Mahal from Pollution and damage.*

श्री राजेश कुमार सिंह (फिरोजाबाद): कुछ सप्ताह पूर्व केन्द्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान की क्षेत्रीय प्रयोगशाला तथा मैटेरियल इंजीनियरिंग के एक दल की रिपोर्ट में बताया गया है कि आगरा के ताजमहल के मुख्य गुम्बद तथा अन्य जगहों पर पड़ी दरारों तथा मथुरा रिफाइनरी के चारों ओर स्थित ढलाई-घरों से निकलने वाले धुएं से उत्पन्न प्रदूषण, सफेद पत्थरों पर काले धब्बे पड़ने, जिससे उसके सौन्दर्य व स्वरूप का नष्ट होना ताजमहल के साथ जुड़ी देश की गरिमा के अनुकूल नहीं है। इसकी अविलम्ब संरचनात्मक मरम्मत की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में बहुत लम्बे अर्से से आधिकारिक तौर पर कार्यवाही चल रही है। मरम्मत हेतु कुछ धन सरकार ने मंजूर भी कर दिया है, लेकिन पुरातत्व विभाग की ओर से कोई ठोस उपाय नहीं उठाये जा रहे हैं।

अत: सरकार से साग्रह अनुरोध है कि ताजमहल की अनुपमेय गरिमा को बनाये रखने, धराशायी होने से बचाने तथा प्रदूषण के प्रभाव को कम करने या दूर करने के लिए तत्काल यथोचित कदम उठावे। यदि इसमें कोई लापरवाही बरती गई तो ताज की सुन्दरता तो खत्म होगी ही, धराशायी होना भी कोई आश्चर्य नहीं होगा। सरकार को चाहिए कि विश्व के श्रेष्ठ आर्किटेक्टर इंजीनियरिंग के विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित कर इन दरारों को भरवाने का कार्य कराने में पहल करे।

(*ii*) *Demand for Gwalior Region to be included in National Capital Region.*

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (Guna): Sir, the Government is introducing a bill during the current session of Parliament for setting up the National Capital Region Board which would include the representatives of Delhi, Haryana, Rajasthan and Uttar Pradesh. It may be recalled that Mr. Bhishma Narain Singh, the former Union Minister of Works and Housing had given an assurance that Madya Pradesh would be included in the NCR Board after it was set up.

The Gwalior region of Madhya Pradesh possesses the necessary infrastructure for inclusion in the NCR. It is quite near Delhi

*Published in Gyazette of India Extraordinary, Part-II, Section 2, dated 24.7.1984.

**Introduced with the recommendation of the President.